शहर में स्वतंत्र विचरण कर रहे पशुओं को कांजी हाउस पहुंचाएं: नारायन

खंभों पर लगे फ्लैक्स, बैनर, कटआउट को सख्ती से हटाएं, भदभदा बांध का भी किया अवलोकन

भोपाल(काप्र)।

नगर निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन ने शहर की साफ-सफाई व्यवस्था को उच्च स्तरीय बनाने के दृष्टिगत विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया और मुख्य सड़कों और बाजारों तथा अन्य स्थानों में स्वतंत्र विचरण करने वाले पशुओं को तत्काल कांजी हाउस/गौशाला भेजने की कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

निगम आयुक्त श्री नारायन ने खंबों पर लगे फ्लैक्स, बैनर, कटआउट सख्ती से हटाएं और सम्पत्ति विरूपण अधिनियम के तहत कार्यवाही सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया। श्री नारायन ने सड़कों पर पड़े कचरे को हटाने, सड़कों के किनारे उगी गाजर घास आदि हटाने, नालों आदि के ऊपर से दुकान, गुमटी आदि हटाकर नालों की सफाई कराने, जलभराव संभावित स्थलों पर निरंतर निगरानी रखे और कहीं भी पानी जमा न होने देने के निर्देश दिए। उन्होंने उपायुक्त स्वास्थ्य को निर्देशित किया कि दरोगाओं को उनकी नवीन पदस्थापना पर आज ही कार्यभार ग्रहण कराएं अन्यथा अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने भदभदा बांध का भी अवलोकन किया और जलस्तर के संबंध में जानकारी प्राप्त की। निगम आयुक्त ने गुरूवार को कलियासोत बांध रोड, जागरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी, संस्कार वैली, वाल्मी रोड, साक्षी ढ़ाबा, नीलबड़, भदभदा डेम, कोलार रोड आदि क्षेत्रों में साफ-सफाई व्यवस्था का जायजा लिया और समक्ष में तथा वी.सी.के माध्यम से अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। श्री नारायन ने कलियासोत डेम रोड पर गौवंश को सड़क पर घूमता पाए जाने पर निर्देशित किया कि यदि यह पशु शासकीय फार्म के हो तो उसके विरूद्ध कार्यवाही करें। श्री नारायन ने 80 फिट रोड पर समाप्त किए गए जी.वी.पाईंट पर निगरानी रखने और कचरा फेंकने वालों के विरूद्ध चालानी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त ने वाल्मी रोड पर अनेक स्थानों पर पड़े कचरे को उठवाने, मार्गों के किनारे उगी गाजर घास को तत्काल साफ कराने, साक्षी ढ़ाबा केरवा डेम रोड, सूरज नगर, कलियासोत डेम रोड आदि स्थानों पर सड़कों के दोनों ओर पड़े कचरे को तत्काल उठवाने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त ने निर्देशित किया कि साफ-सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने हेतु एएचओ अपनी अधीनस्थ दरोगाओं की मीटिंग कर दिन भर का टास्क देने और फीडबैक लेने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री नारायन ने दानापानी कचरा ट्रांसफर स्टेशन में गंदगी अधिक पाए जाने तथा कर्मचारी भी कम पाए जाने पर पंचनामा बनाकर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। भदभदा बांध का भी निरीक्षण किया और बड़ी झील के जलस्तर तथा पूर्व में दिए गए निर्देश अनुसार कलियासोत बांध से संबंधित जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को पत्र लिखकर सूचना देने के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की। निगम आयुक्त को अवगत कराया गया कि ए.ई. कलियासोत डेम को पत्र भेजा दिया गया है। श्री नारायन को यह भी अवगत कराया गया कि वर्तमान में बड़ी झील का जलस्तर 1663.20 फीट है जबकि फुल टैंक लेविल 1666.80 फीट है।

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के संभागीय कार्यालय शुरू होंगे: कृष्णा गौर

भोपाल(काप्र)। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के संभाग स्तर पर संभागीय कार्यालय शुरू करने के लिये शासन स्तर पर पहल की जायेगी।

पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर ने विभाग सहायक संचालक एवं निरीक्षक संघ के प्रतिनिधि मण्डल को उक्त आशय का आश्वासन दिया। प्रतिनिधि मण्डल श्रीमती गौर गुरूवार को उनके निवास पर भेंट कर विभिन्न मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा। श्रीमती गौर ने कहा कि संघ द्वारा विभाग की संरचना से संबंधित विभिन्न तथ्यों को ध्यान में लाया गया है, इनमें अन्य विभागों की तरह पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के संभागीय कार्यालय शुरू करने, सहायक संचालक के पदनाम को सहायक आयुक्त किये जाने, विभाग के अधिकारियों को पाँच स्तरीय वेतनमान स्वीकृत किये जाने और विभाग की आवश्यकता अनुसार जिला, संभाग और मुख्यालय स्तर पर अधिकारी-कर्मचारियों के पदों के सृजन पर विचार किया जायेगा। उन्होंने कहा कि संघ के द्वारा सौंपे गये मांग पत्र के बिन्दुओं पर विभागीय वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा की जायेगी और विभाग की आवश्यकताओं के अनुरूप तथा पिछड़ा वर्ग के कल्याण को ध्यान में रखते हुए जरूरी मांगों को पूरा करने पर विचार किया जायेगा। श्रीमती गौर ने उनके भ्रमण के दौरान जबलपुर और इंदौर पिछ ड़ा वर्ग के छात्रावासों में दिये गये निर्देशों को पूरा करने पर इन जिलों के अधिकारियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि विभाग के सुदृढ़ीकरण के लिये वह पूर्व से प्रयासरत है। पिछड़ा वर्ग के छात्रावासों में लायब्रेरी, मेस और वाईफाई आदि की सुविधाएँ दिये जाने की कार्यवाही की जा रही है। प्रत्येक संभागीय मुख्यालय पर संभाग स्तरीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र भी शुरू किये जाने का कार्य किया जा रहा है। संघ के अध्यक्ष आशीष दीक्षित, उपाध्यक्ष प्रवीण कुमार श्रीवास्तव, महासचिव अनिल सोनी, कोषाध्यक्ष संगीता जायसवाल अन्य पदाधिकारी श्रीमती ममता भट्टाचार्य, सुश्री दिव्या, सुश्री रिया जैन, सुश्री नेहा भूमरकर, योगेन्द्र राज, होमेन्द्र पटले, अर्जुन मालवीय, सुमित रघुवंशी, तीर्थ गर्मे और शैलेन्द्र अतरे और राघव परसारिया राज्यमंत्री श्रीमती गौर प्रतिनिधि मण्डल में शामिल थे।

गैस्ट्रोएंटेराइटिस, दस्त प्रबंधन की थीम पर शिविर आज

भोपाल (काप्र)।

शहरी तंग बस्ती क्षेत्रों में सामुदायिक स्वास्थ्य शिविरों का दूसरा चरण 25 जुलाई से प्रारंभ हो रहा है। ये शिविर 29 अगस्त तक सप्ताह के प्रत्येक गुरुवार को शहर की विभिन्न 56 बस्तियों में किया जाएगा।

इसके पूर्व 60 बस्ती क्षेत्रों में आयोजित शिविरों में 13 हजार लोगों को लाभांवित किया गया था। शिविर गैस्ट्रोएंटेराइटिस, बीसीजी, दस्त प्रबंधन की थीम पर आयोजित किया जा रहा है। जिसमें इन बीमारियों की जानकारी के लिए विशेष परामर्श सत्र भी होंगे। बस्ती क्षेत्र में रहने वाले लोगों को उनके निवास क्षेत्र में ही स्वास्थ्य की सभी सेवाएं समग्र रूप से दिए जाने के लिए सामुदायिक शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों को बीमारियों के चिन्हांकन एवं उपचार तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि रेफरल एवं रेफरल पश्चात फॉलोअप भी सुनिश्चित किया गया है। हितग्राहियों का स्वास्थ्य परीक्षण, निशुल्क जांच, दवा वितरण, असंचारी रोगों की स्क्रीनिंग, एएनसी जांच, हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं का चिन्हांकन, कुपोषित बच्चों का चिन्हांकन एवं रेफरल, आभा आईडी एवं आयुष्मान कार्ड बनाना एवं ई केवाईसी, नियमित टीकाकरण, जापानी इंसेफेलाइटिस टीकाकरण एवं वयस्क बीसीजी टीकाकरण की सेवाएं दी जाएंगी। टीबी, कुष्ठ, हाइपरटेंशन, डायबिटीज़ एवं कैंसर के मरीजों को चिह्नित कर रेफरल एवं उपचार किया जाएगा। बच्चों के टीकाकरण के लिए लाइन लिस्टिंग एवं जापानी इंसेफेलाइटिस व बीसीजी टीकाकरण के लिए हितग्राहियों को मोबिलाइज किया जाएगा।

अधिकारियों का मूल दायित्व जनसेवा एवं राज्य के विकास में योगदान देना है

भोपाल(काप्र)।

आज नरोन्हा प्रशासन अकादमी के माध्यम से मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित राज्य सेवा के वर्ष 2019-20 के 120 प्रशिक्षु अधिकारियों के बैच को ए. पी. सिंह, प्रमुख सचिव, मध्यप्रदेश विधान सभा द्वारा विधान सभा के मानसरोवर सभागार में संबोधित कर उक्त उद्गार व्यनक्त किये गये। प्रमुख सचिव श्री सिंह द्वारा शासन के विभागों की सेवा के लिए चयनित युवा अधिकारियों को विधि-निर्माण, बजट, प्रश्न आदि विधान सभा की प्रक्रिया के संबंध में जानकारी देने के साथ उल्लेख किया गया कि शासकीय सेवा के लिए चयनित युवा अधिकारियों का मूल दायित्व अपने अधिकारों का उपयोग जनसेवा के लिए एवं राज्य के विकास के लिए करना है। विधान सभा, प्रदेश की जनता द्वारा निर्वाचित विधायी संस्था है। इसी के माध्यम से कार्यपालिका को शासन व्यवस्था संचालित करने हेतु विधान एवं बजट उपलब्ध कराया जाता है। विधायिका के प्रतिनिधि ही शासन की नीतियों एवं निर्णयों का विश्लेषण कर कार्यपालिका पर नियंत्रण रखते हैं। इसलिए विधायिका को तत्परता से जानकारी देना एवं उसके जन-प्रतिनिधि सदस्यों की गरिमा बनाए रखना कार्यपालिका का दायित्व है। प्रभावी कर्तव्य निर्वहन हेतु युवा अधिकारियों को उनके विभाग से संबंधित कानूनों के साथ विधान सभा कार्य संचालन नियमावली का भी अध्ययन करना चाहिए।

प्रमुख सचिव द्वारा क्षमता निर्माण संयुक्त आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम के युवा अधिकारियों द्वारा पूछे गये प्रश्नों का समाधान भी किया गया। इस अवसर पर वाणिज्यिक कर, वित्त, उद्योग, सामान्य प्रशासन विभाग, श्रम, जनसंपर्क, जनजाति कार्य, नगरीय प्रशासन, स्थानीय निधि संपरीक्षा, गृह आदि विभागों के लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित 120 प्रशिक्षु अधिकारियों के साथ प्रशासन अकादमी की उप संचालक श्रीमती नंदा भलावे कुसरे उपस्थित थीं। अंत में श्रीमती नंदा भलावे कुसरे द्वारा प्रमुख सचिव, विधान सभा का आभार व्यक्त किया गया।

चंदे के नाम पर एबीवीपी की गुंडई स्कूल संचालक का हाथ काटा

भोपाल (काप्र)।

राजधानी में गुरुवार दोपहर करीब 12.30 बजे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता ने शाहपुरा स्थित ओरियन इंटरनेशनल स्कूल में घुसकर तोड़फोड़ कर दी। स्कूल के चेयरमैन ज्ञानेंद्र भटनागर को बंधक बना लिया और सेक्रेटरी अभिनव भटनागर के साथ मारपीट कर कांच से हमला कर जख्मी कर दिया।

चेयरमैन और सेक्रेटरी का आरोप है कि हमलावर एबीवीपी के कार्यकर्ता थे। घटनाक्रम के बाद आरोपियों के स्कूल से निकलते हुए वीडियो फुटेज भी सामने आए हैं। अभिनव भटनागर ने शाहपुरा थाने में घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई है। स्कूल प्रबंधन का कहना है कि दोपहर 12 बजे के करीब कुछ असामाजिक तत्व विद्यार्थी परिषद के नाम से स्कूल में आए। सभी बच्चों और प्रिंसिपल कमलेश राठौर से विद्यार्थी परिषद में रजिस्ट्रेशन का चंदा मांगा। प्रिंसिपल ने कहा कि इस तरह से सभी का चंदा संस्था नहीं दे सकती। जिनकी इच्छा होगी, वो खुद अपना देंगे। इस पर कार्यकर्ताओं ने कहा कि सभी बच्चों का एक साथ पैसा दे दीजिए। हम उनका रजिस्ट्रेशन कर देंगे। इसके बाद उन लोगों ने हंगामा किया और प्रिंसिपल कमलेश राठौर को कमरे में बंद कर मारपीट करने लगे। किसी तरह दरवाजा खोलकर वे बाहर निकले। तभी पीछे से आकर फिर पकड़ लिया। तभी सेक्रेटरी अभिनव भटनागर भी आ गए। उन्होंने समझाने की कोशिश की लेकिन आरोपियों ने अभिनव से भी धक्का-मुक्की करते हुए मारपीट की। उन लोगों ने कमरे का कांच का दरवाजा तोड़कर अभिनव के दाएं हाथ में मारा। इससे उन्हें बहुत ज्यादा चोट आई। इसके बाद आरोपी पूरे परिसर में हंगामा करते रहे। वही स्कूल के सेक्रेटरी अभिनव भटनागर ने बताया कि मैं चेयरमैन पिता को दूसरे रास्ते से बाहर ले जा रहा था। मैंने बीच का एक दरवाजा बंद किया। इसमें कांच की खिड़की थी। उन लोगों ने कांच की खिड़की मेरे मुंह पर मारी। उसी से मुझे खींचा। कांच से मेरे चेहरे में घाव हो गया। इसके बाद उन लोगों ने दरवाजा खोल लिया और खिड़की के टूटे हुए कांच से मुझे मारा। हाथ में घाव हुआ है। इसके बाद सिर और छाती पर मुक्के मारे। इसके बाद स्कूल के स्टूडेंट्स और टीचर्स आ गए। इसके बाद उन लोगों से उनका नाम पूछा, लेकिन उन्होंने नाम नहीं बताया। हमले के बाद अभिनव भटनागर थाने पहुंचे, वहां पुलिस ने उन्हें मेडिकल परीक्षण कराने के लिए जेपी अस्पताल भेज दिया।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्मिकों को अब सेल्फी से उपस्थिति दर्ज करानी होगी

भोपाल (काप्र)।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी के अधिकारियों/कर्मचारियों को अपनी उपस्थिति सेल्फी माध्यम से दर्ज कराना अनिवार्य कर दिया है। उपस्थिति के आधार पर ही वेतन भुगतान होगा। यदि ऐसा नहीं किया जाता है तो वेतन कटौती होगी। कंपनी ने इस आशय के निर्देश सभी कार्मिकों को जारी कर दिए हैं। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने निर्देशित किया है कि सभी कार्मिकों को अपनी उपस्थिति प्रतिदिन कार्यालय प्रारंभ होने के निर्धारित समय प्रात: 10.00 बजे सेल्फी आधारित उपस्थिति प्रणाली संस्करण 2.0 अथवा बायोमैट्रिक उपस्थिति प्रणाली के माध्यम से दर्ज करानी होगी। उक्त उपस्थिति के आधार पर ही वेतन के भुगतान की कार्यवाही की जाएगी।

कंपनी ने यह भी कहा है कि किसी कार्मिक को यदि उपस्थिति दर्ज कराने में कोई असुविधा होती है तो वह तत्काल स्थापना शाखा से संपर्क कर सकते हैं। इसके लिए कार्मिक ऐसे स्थान से सेल्फी लेंगे जहां से उनके बैठने का स्थान अथवा कार्य करने का स्थान स्पष्ट हो। इस संबंध में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने सभी संबंधितों को निर्देश जारी कर दिए है।

एम्स में सिस्टोस्कॉपी कक्ष का उद्घाटन

भोपाल (काप्र)।

एम्स के कार्यपालक निदेशक प्रो. अजय सिंह मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु संस्थान में नवीनतम तकनीक से युक्त उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रयत्न शील रहते हैं। इसी कड़ी में गुरूवार को यूरोलॉजी विभाग में एक सिस्टोस्कॉनपी कक्ष का उद्घाटन किया गया। प्रो. सिंह ने कक्ष का उद्घाटन करते हुए कहा कि इस सुविधा के प्रारंभ हो जाने से भविष्य में और अधिक मरीजों के छोटे ऑपरेशन किए जा सकेंगे और प्रतीक्षा सूची काफी कम हो जाएगी। यह सभी ऑपरेशन डे-केयर के अनुसार किए जाएंगे। ऐसे ऑपरेशन में मरीज को सुबह से शाम तक ही अस्पताल में रखा जाता है और ऑपरेशन के बाद शाम को उन्हें घर भेज दिया जाता है।

यूरोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ देवाशीष कौशल ने बताया कि पिछले 1 वर्ष में विभाग द्वारा करीब 2 हजार छोटे और 1 हजार बड़े ऑपरेशन किये गये हैं। पिछले कुछ समय से बढ़ती हुई मरीजों की संख्या के कारण ऑपरेशन के लिए काफी समय तक इंतजार करना पड़ता है। सिस्टो स्कॉपी कक्ष के शुरू होने से सिस्टोयस्कॉपी की प्रतीक्षा सूची लगभग समाप्त हो जाएगी जो पहले एक से दो महीने की थी।

सिस्टोस्कॉपी एक मूत्र मार्ग के रास्ते से मूत्राशय की जांच की एक विधि है, इस विधि को इस्तेमाल कर दूरबीन द्वारा मूत्र नलिका की रूकावट की शल्य चिकित्सा, मूत्राशय कैंसर जांच, बोटोक्स इंजेक्शन मूत्राशय में लगाना, दूरबीन द्वारा मूत्र नलिका एवं डीजे स्टेंट स्था पित करना एवं डीजे स्टेंशट निकालना आदि किया जा सकता है।

डॉ आकांक्षा का कैंसर पर आयोजित 7वीं मास्टर क्लास में व्याख्यान

भोपाल। एम्स के मेडिकल ऑकोलॉजी एवं हेमेटोलॉजी विभाग की डॉ आकांक्षा चौधरी ने मुम्बई में फेफड़ों के कैंसर पर आयोजित 7वीं मास्टर क्लास में व्याख्यान दिया। यह कार्यक्रम मुंबई में कैंसर सांख्यिकी और अनुसंधान फाउंडेशन द्वारा आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में देश भर से कैंसर विशेषज्ञ सम्मिलित हुए।

डॉ. आकांक्षा ने मैनेजमेंट ऑफ एक्सिटेंसिव डिज़ीज़-स्मॉल सेल लंग कैंसर विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि फेफड़ों का कैंसर भारत में चौथा सबसे सामान्या कैंसर है। यह दो प्रकार का होता है- नॉन स्मॉल सेल लंग कैंसर जो कि सभी फेफड़ों के कैंसर का 85 प्रतिशत हिस्सा है तथा स्मॉल सेल लंग कैंसर जो कि सभी फेफड़ों के कैंसर का 15 प्रतिशत है जो कि धूम्रपान से जुड़ा है और यह बहुत गंभीर होता है।

स्पेशल खबर सांस्कृतिक कलाकृतियों के ...

प्रदर्शन के लिए भी नए मीडिया का उपयोग जरूरी: प्रोफेसर सुनील

भोपाल(काप्र)।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय द्वारा लोकरुचि व्याख्यान माला के अंतर्गत आज इलाहाबाद विवि प्रयागराज के पत्रकारिता विभाग प्रो सुनील उमाराव ने संग्रहालय विज्ञान नई मीडिया और संग्रहालय संचार विकासशील देशों में नई उभरती चुनौतियां विषय पर व्याख्यान दिया।

कार्यक्रम के प्रारम्भ मे संग्रहालय के निदेशक प्रो अमिताभ पांडे ने प्रो सुनील का पुष्प गुच्छ भेंट कर शाल ओढ़ा कर सम्मानित किया और संग्रहालय का प्रतीक चिन्ह भेंट किया। डॉ सूर्य कुमार पांडे ने वक्ता का परिचय दिया। तत्पश्चात प्रोफेसर सुनील उमराव ने अपने संबोधन में कहा कि इंटरनेट और नई संचार प्रौद्योगिकियों के प्रसार के साथ, समाज में शिक्षा, मनोरंजन और संचार के तरीकों में महत्वपूर्ण बदलाव आया है। नए मीडिया के प्रसार के साथ, पारंपरिक संग्रहालयों में दस्तावेजीकरण, कलाकृतियों को प्रस्तुत करने और दर्शकों को जोड़ने के तरीके में महत्वपूर्ण बदलाव आ रहा है। आज नया मीडिया समाज में छा रहा है, क्योंकि अब दो तरफा संचार अधिक लोकतांत्रिक है। डिजिटल तकनीकें सॉफ्टवेयर द्वारा डेटा संग्रह, भंडारण और हेरफेर में अधिक लचीलापन प्रदान करती हैं। आज मल्टीमीडिया का विकास आभासी और संवर्धित वास्तविकता से प्रभावित है। आज दुनिया भर के संग्रहालय न केवल ऑनलाइन होने के लिए बल्कि प्रोजेक्टर, स्ट्रीमिंग लाइव वीडियो आदि के उपयोग से सांस्कृतिक कलाकृतियों के प्रदर्शन के लिए भी नए मीडिया का उपयोग करना शुरू कर रहे हैं। चूंकि युवा डिजिटल और सोशल मीडिया में डूब रहे हैं, इसलिए प्रदर्शनियों के पारंपरिक तरीके को नई उभरती प्रौद्योगिकियों के साथ तालमेल बिठाने की चुनौती है, ताकि नए आगंतुक संग्रहालय में शामिल हो सके और अपनी यात्रा में संतुष्टि महसूस कर सकें। दुनिया भर के संग्रहालय तकनीकी उन्नयन के लिए कमर कस रहे हैं। चूंकि इसमें लागत और नई जनशक्ति शामिल है, इसलिए विकासशील देश संग्रहालयों को सांस्कृतिक संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रासंगिक बनाने की चुनौती का सामना करना पड़ेगा।कार्यक्रम कि अध्यक्षता करते हुए निदेशक प्रो पांडे ने कहा कि वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र का एक अहम पहलू है। इस अधिकार के उपयोग के लिये सोशल मीडिया ने जो अवसर नागरिकों को दिये हैं, एक दशक पूर्व उनकी कल्पना भी किसी ने नहीं की होगी। दरअसल, इस मंच के ज़रिये समाज में बदलाव की बयार लाई जा सकती है। सोशल मीडिया दुनिया भर के लोगों से जुड़ने का एक महत्त्वपूर्ण साधन है और इसने विश्व में संचार को नया आयाम दिया है। कार्यक्रम का संचालन डॉ अशोक वर्धन ने किया धन्यवाद ज्ञापन मो.रेहान ने किया।